संपर्कवाणी

CHRIST JUNIOR COLLEGE
BENGALURU - 29

दिसम्बर 2017-2018

प्रधानाचार्य के वचन

हमारा विद्यालय बहुमुखी प्रतिभा को छात्रों में बढ़ावा देने का सक्षम प्रयत्न कर रहा है | इसके फल स्वरुप छात्रों द्वारा किए गए ये सभी क्रियात्मक कार्य उसका उदाहरण है | इस समाचार पत्रिका का गत वर्ष से हर भाषा में, भाषा विभाग के द्वारा लोकार्पण हो रहा है | इस के लिए उन सभी को धन्यवाद करता हूँ जिसने इस कार्य के लिए अपना योगदान दिया है |

मुंशी प्रेमचंद

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के एक बहुत प्रसिद्द और जाने माने लेखक है | इनको किसानों के मसीहा भी कहते हैं | हिंदी कहानी साहित्य में इनका बहुत बड़ा योगदान है | इनकी सारी रचनाओं को स्मरण करते हुए हमारे कॉलेज में प्रेमचंद दिवस 31 जुलाई को मनाया गया था |

हिंदी में ज्ञानपीठ पुरस्कृत साहित्यकार –

1. सुमित्रानंदन पंथ – उनकी रचना 'चिदंबरा' के लिए उन्हें सन् 1968 में पुरस्कृत किया गया था |
2. रामधारी सिंह दिनकर – उनकी रचना 'उर्वशी' के लिए उन्हें सन् 1972 में पुरस्कृत किया गया था |
3. सच्चिदानंदन हीराचंद – उनकी रचना 'कितने नाव में कितनी बार' के लिए उन्हें सन् 1978 में पुरस्कृत किया गया |
4. महादेवी वर्मा – उनकी रचना 'यामा' के लिए उन्हें सन् 1982 में पुरस्कृत किया गया |
5. नरेश मेहता – उनकी सारी रचनाओं के लिए उन्हें सन् 1992 में एक ही साथ सम्मानित किया गया |
6. निर्मल वर्मा – उनकी सारी रचनाओं के लिए उन्हें सन् 1999 में एक ही साथ सम्मानित किया गया |
7. कुंवर नारायण – उनकी सारी रचनाओं के लिए उन्हें सन् 2005 में एक ही साथ सम्मानित किया गया |
8. अमरकांत – उनकी सारी रचनाओं के लिए उन्हें सन् 2009 में एक ही साथ सम्मानित किया गया |
9. श्री लाल शुक्ल – उनकी सारी रचनाओं के लिए उन्हें सन् में एक ही साथ सम्मानित किया गया |
10. केदारनाथ सिंह – उनकी सारी रचनाओं के लिए उन्हें सन् 2013 में एक ही साथ सम्मानित किया गया |
11. कृष्णा सोबती – उनकी सारी रचनाओं के लिए उन्हें सन् 2017 में एक ही साथ सम्मानित किया गया |

भाषा सप्ताह

भाषा सप्ताह के हिंदी दिवस प्रतियोगिताओं पर हिंदी स्वयंसेवकों ने मिलकर छात्रों को खेल में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया |

पहले खेल के नियमों के अनुसार छात्रों को मुहावरों को डम शराड के रूप में अपने दोस्तों को बताना था | यदि उनके दोस्त सही अंदाज़ा लगाते, तो वह जीत हासिल कर लेते | सही अंदाज़ा नहीं लगा पाने पर उन्हें दो और मौके मिलते | जिस तरह छात्रों ने मुहावरों को बिना बोले प्रदर्शित किया | यह अनुभव काफी मज़ेदार रहा | छात्रों को हिंदी मुहावरों के बारे में काफी कुछ जानने को मिला और नए नए मुहावरे सीखने को भी मिले |

दूसरा खेल इस प्रकार था, कागज़ के टुकड़े पर एक शब्द लिखा हुआ था| प्रतिगियों को एक चित्र बनाकर अपने मित्रों को वह शब्द समझाना था | यदि वह एक मिनट में तीन शब्द अपने मित्रों को समझा सके, तो वह जीत जाते |

तीसरे खेल का मज़ा कुछ अलग ही था | छात्र कागज़ का एक टुकड़ा चुनते | कागज़ में हिंदी के एक गाने की पंक्तियों का अंग्रेजी अनुवादन किया गया था | छात्रों को यह पंक्तियाँ पढ़कर अंदाज़ा लगाना था कि वह गाना कौन-सा है | उनको इस खेल में सबसे अधिक मज़ा आया | सबसे ज़्यादा छात्रों की रूचि भी इसी खेल में थी |

इस सप्ताह में अनेक प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गयी थी | छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया और प्रतियोगिता का वातावरण बनाये रखा | हिंदी विभाग के सारे अध्यापकों ने सभी को इनमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया |

क्रिएटिव राइटिंग (रचनात्मक लेखन) : यह प्रतियोगिता छात्रों के सोच-विचार व लिखने की कला को सबके सामने प्रस्तुत करने और उनकी खूबियों को बढावा देने के लिए आयोजित की गयी थी | इसमें प्रतियोगियों को स्वच्छ भारत अभियान पर उनके विचारों का उल्लेखन करने के लिए निदेशित किया गया था |सभी भाग लेने वाले छात्रों को लिखने के लिए एक घंटे का समय दिया गया था | इससे छात्रों को ऐसे विषयों पर सोचने व अधिक लिखने के लिए प्रोत्साह भी मिला |

वाद-विवाद : यह एक ऐसी प्रतियोगिता है जिसमे छात्रों को अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक अवसर मिलता है | सिर्फ यह ही नहीं, उन्हें अन्यों के विचारों को भी समझने का मौका मिलता है | छात्रों को वाद-विवाद करने के लिए यह विषय दिया था 'टी वी रियालिटी शोज़ एक बच्चे के भविष्य को तोड़ते हैं या बनाते है ?' प्रतियोगियों ने बड़े ही रोमांचक ढंग से अपने विचरों को पेश किया |

अन्ताक्षरी : इस प्रतियोगिता में छात्रों ने सर्वाधिक रुचि दिखाई | इसमें उन्हें तीन के समूह में भाग लेना था | अपनी रूचि हिंदी गानों में दिखाकर उन्होने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किये |

राष्ट्रीय स्तर संघोष्टि के लिए चयनित छात्र से साक्षात्कार |

1. आपको लिखने के लिए किसने प्रेरित किया ?
_मेरे लिखने कि प्रेरणा का आधार मुझे मेरे पूज्य पिताश्री से प्राप्त हुआ | बाल्यावस्था से मैं उनकी लेखनी का साक्षी रह चूका हूँ | मैं हर पल यह सोचता था कि बड़ा होकर लिखूंगा | और यह बात मुझे अत्यंत प्रसन्नता देती है कि मैं अब लिख पाता हूँ |
2. आपके लिखे हुए निबंध का वर्णन कीजिये |
_मैंने वर्त्तमान के गुरु-शिष्य संबंध के ऊपर प्रकाश डालते हुए इसी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये थे | यह निबंध आपको मानव संस्कृति में हुए बदलाव के कारण आधुनिक शिक्षकों में हुए बदलाव को दर्शाता है और पाठकों में हुए नए कुप्रभाव को भी वर्णित करता है |
3. अब जो आप इस सेमिनार में जा रहे हैं, उसके प्रति आपके क्या विचार है ?
_मैं स्वयं को अत्यंत भाग्यशाली मानता हूँ कि मैं इस सेमीनार में भाग ले रहा हूँ | मैं आशा करता हूँ कि राष्ट्रीय स्तर में और भी अच्छा कर पाऊं | मैं अपने कॉलेज के हिंदी अध्यापक - डॉ चंद्रशेखर सर जी का आभारी हूँ |
4. आप पाठकों से क्या कहना चाहेंगे ?
_मैं पाठकों से गीता में वर्णित विचार को प्रस्तुत करना चाहता हूँ जो है कि – 'इंसान को कर्म करना चाहिए, फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए | यही मेरे जीवन का पथ प्रदर्शक रहा है |
5. भविष्य की संभावनाएं ?
_मैं भविष्य में जो भी करूंगा निष्ठा से करूंगा और यह कोशिश करूंगा कि लिखना ना छोडूं |

सात्विक गुप्ता

2 **CAMS K**

युगाक्षर- एक राज्यस्तरीय हिन्दी संघोष्टि

युगाक्षर एक राज्य स्तर संघोष्टि है जो न्यू होराइज़न कॉलेज कस्तूरी नगर शाखा द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाती है | इस प्रतियोगिता में उच्च महाविद्यालय से लेकर महाविद्यालय के विद्यार्थी भाग लेते हैं | भाग लेने वाले प्रतियोगियों को दो विषय दिये जाते हैं | इन दोनों विषयों में से प्रतियोगी कोई भी एक विषय चुनकर उसपर 500-600 शब्दों का निबंध लिखते हैं | यदि कॉलेज के द्वारा उनका निबंध चुना जाता है, तो वह प्रतियोगिता के अगले स्तर पर पहुँच जाते हैं | अगले स्तर में उन्हें अपने चुने हुए विषय पर अधिक अनुसन्धान और अध्ययन कर उस विषय पर सेमिनार में बोलने के लिए तैयारी करनी पड़ती है |आवेदक का जोड़ी में भाग लेना अनिवार्य है |

इस वर्ष हमारे कॉलेज से मानसी त्रिवेदी और धन्या गाँवकर ने भाग लिया था | उन्होंने, 'छोटी उमर में मोबाइल फ़ोन के अत्यधिक प्रयोग से बच्चों के विकास पर पड़ते दुष्प्रभाव' का विषय चुना | पूरी लगन से तैयारी कर उन्होंने अपना विषय मण्डित किया, और सबसे बहतर वक्ता पहचाने गए, और पुरस्कार के रूप में उन्हें ट्रॉफी व प्रमाण पत्र भी मिला | उनके लिखे हुए निबंध को न्यू होराइज़न कॉलेज वाले अतिशीघ्र एक किताब 'ISBN' नंबर के साथ छापने वाले हैं | इस प्रतियोगिता में कालेज के हिंदी अध्यापक डॉ चंद्रशेखर सर जी ने उनका पूरा साथ दिया था | उन्होंने युगाक्षर की तैयारी में उनकी बहुत सहायता की और प्रोत्साहिन भी किया |

दर्पण में नुक्कड़ नाटक

करने लगे थे सब हमसे नफ़रत
क्योंकि जीतने के लिए करनी पड़ती थी कसरत
सिर्फ जीतना ही नहीं था हमारा मुकाम
उन्हें अनुभव करने का था हमारा मकसद |

अनुभव मिलता तो कैसे
अपने पात्र का प्रदर्शन करने से ?
नहीं, पात्र हो छोटा या बड़ा
मिलती हैं सीख उसमें जी-जान लगाने से |

हारने का अक्सर अलग ही मतलब निकाला जाता है
लेकिन यह नहीं कि जीतने वाला ही सफलता पाता है
जैसे कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है
वैसे ही मेहनत का फल व्यर्थ नहीं होता है |

आसान नहीं होता है नाटक करना
ना ही चिल्लाना या अपने पैरों पर गिरना
समझ तो तब आता है यह सब
जब गिरने के बाद दिखता है खून
का बहना |

करना पड़ता था अभ्यास कड़ी धूप में
आना पड़ता था कॉलेज छुट्टी के भी दिनों में
इतना सब करके भी नहीं हुआ आभास
कि हम बुने जा रहे थे, दोस्ती की एक डोर में |

यह तो हमारे लिए पढ़ाई की तरह था
जैसी मेहनत, उसका वैसा परिणाम
हमारी नींद छीनी जाती थी
अगर और नींद आ रही हो, तो और
करो व्यायाम |

इस दौरान हमने बहुत कुछ सीखा
जीते बिना, जीतने का तरीका |
कहीं अंदर ही अंदर, मन में
था एक दुख हारने का |
लेकिन पता था,
कि उससे कहीं ज़्यादा ऊँचा
था हमारा ख्वाब उड़ने का |

ग्रैमी जैन
2 HESP M

संपादक समिति छात्र सदस्य
दिवेश रामचंदानी दूसरा सत्र वाणिज्य विभाग
ग्रैमी जैन दूसरा सत्र समाज शास्त्र विभाग
अदिति जैन पहला सत्र वाणिज्य विभाग
धान्या गोएंकर पहला सत्र वाणिज्य विभाग

मार्गदर्शन
डॉ चंद्रशेखर जे नायर
- भाषा विभाग